रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

इंदौर

गुरुवार , 2 अप्रैल, 2026

वर्ष 02 | अंक 84 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

रणजीत टाइम्स

raajniti24@gmail.com

रणजीत टाइम्स

इंदौर

गुरुवार, 2 अप्रैल, 2026

वर्ष 02 | अंक 84 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

तीन फ्लाईओवर का काम जुलाई तक जो जाएगा खत्म

दोनों तरफ से निकलेगा ट्रैफिक

इंदौर। इंदौर-इच्छापुर राजमार्ग के निर्माण कार्य में अब तेजी आ गई है। करीब सवा साल की देरी के बाद अब प्रशासन ने समय पर कार्य पूरा करने के लिए सख्ती दिखाई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने निर्माण एजेंसी को निर्देश दिया है कि तेजाजी नगर से सिमरोल के बीच बन रहे तीन फ्लाईओवर का काम अगले चार महीनों में पूरा किया जाए। अधिकारियों के मुताबिक इन फ्लाईओवर का लगभग 10 प्रतिशत काम ही बाकी है। काम तय समय पर पूरा हुआ तो जुलाई से दोनों तरफ से यातायात शुरू कर दिया जाएगा। इससे इंदौर से खंडवा की ओर आने-जाने वाले लोगों को काफी राहत मिलेगी और ट्रैफिक भी सुगम हो जाएगा। बता दें कि इंदौर से खंडवा की ओर जाने वाला सबसे प्रमुख निर्माणाधीन राजमार्ग इंदौर-इच्छापुर है।फोरलेन (कुछ हिस्सों में छह लेन) में परवर्तित किया जा रहा है। इस

परियोजना के तहत तेजाजी नगर से बलवाड़ा के बीच तीन सुरंगों और मोरटक्का में नर्मदा पर पुल निर्माण शामिल है। करीब 216 किलोमीटर लंबे इस राजमार्ग का निर्माण जनवरी 2025 तक पूरा होना था, लेकिन विभिन्न कारणों से काम समय पर नहीं हो पाया।

तीन सुरंग और आठ फ्लाईओवर बनाए जा रहे

लगभग 900 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस प्रोजेक्ट में तीन सुरंग और आठ फ्लाईओवर बनाए जा रहे हैं। इनमें से अभी भी पांच फ्लाईओवर का काम अधूरा है। एनएचएआइ ने फिलहाल चौखी ढाणी, दतौदा और कनाड़ फ्लाईओवर को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इन दो फ्लाईओवर पर अभी एक तरफ से वाहनों की आवाजाही हो रही है जबकि दूसरी ओर निर्माण कार्य जारी है।

चौखी ढाणी के सामने का कुछ हिस्सा बाकी दतौदा फ्लाईओवर में अब केवल फिनिशिंग का काम बाकी है। इसे डेढ़ से दो महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, चौखी ढाणी के सामने वाले फ्लाईओवर में कुछ हिस्सा बनना बाकी है। इसी तरह कनाड़ फ्लाईओवर पर भी अंतिम चरण का काम चल रहा है।

इसके अलावा सिमरोल फ्लाईओवर और महू मार्ग के हिस्से का काम अगस्त तक पूरा होने की संभावना जताई जा रही है। मेघा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर नागेश्वर राव ने बताया कि जुलाई तक तीन फ्लाईओवर से यातायात शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रवीण यादव के अनुसार निर्माण एजेंसी को फ्लाईओवर जल्द पूरा करने की सख्त डेडलाइन दी गई है ताकि इस महत्वपूर्ण राजमार्ग पर लोगों को जल्द बेहतर और सुरक्षित यातायात सुविधा मिल सके।

जैन मुनि के बयान से बवाल, बोले- मराठी भाषा की रचना जैन आचार्य ने की, सच्चे मराठी हम हैं

जैन मुनि आचार्य नयन पद्मसागर के मराठी और छत्रपति शिवाजी महाराज की बहू महारानी ताराबाई को लेकर दिया हालिया बयान विवादों में घिर गया है। इस बयान ने महाराष्ट्र की राजनीति और सामाजिक गलियारों में हलचल मचा दी है। दरअसल जैन मुनि ने दावा किया कि मराठी भाषा की रचना जैन आचार्य ने की थी। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि औरंगजेब का नाश करने

वाली महारानी ताराबाई भी जैन समुदाय से थीं।

जैन रानी थीं ताराबाई- आचार्य नयन पद्मसागर

महाराष्ट्र में एक बार फिर इतिहास को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। जैन मुनी आचार्य नयन पद्मसागर के एक बयान ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हलचल मचा दी है। मुंबई के दादर इलाके में जैन समुदाय के एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने दावा किया कि महारानी ताराबाई जैन समुदाय से थीं और उनका जन्म औरंगजेब के विनाश के लिए हुआ था। इस बयान के सामने आते ही पूरे राज्य में बहस तेज हो गई है।

मराठी भाषा को लेकर भी किया दावा

आचार्य नयन पद्मसागर ने अपने भाषण में यह भी दावा किया कि मराठी भाषा की रचना जैन आचार्य ने की है। उन्होंने कहा, "मराठी भाषा की रचना जैन आचार्य ने की थी। इसलिए कोई मराठी की दहाई हमें नहीं दें। हमारे दिल में जितना मराठी का लहू बहता है, उतना किसी में नहीं। सच कहूं तो पूरे भारत में अगर सच्चे मराठी कोई है तो वो सारे के सारे जैन है। संत ज्ञानेश्वर जी ने ज्ञानेश्वरी में लिखा है कि मराठी भाषा की रचना एक जैन आचार्य ने की है। यहां तक की महाराष्ट्र के पाटिल जाति के लोग भी जैन धर्म का पालन करते है।"

डिप्टी सीएम शिंदे के सामने दिया गया विवादित बयान

मुंबई में आयोजित इस कार्यक्रम में आचार्य नयन पद्मसागर ने आक्रामक अंदाज में भाषण देते हुए कहा कि महाराणी ताराराणी जैन थीं। खास बात यह रही कि यह बयान उस मंच से दिया गया जहां महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और भाजपा के मुंबई अध्यक्ष अमित साटम भी मौजूद थे। इस वजह से यह विवाद और ज्यादा गहरा गया है।

नशे और ट्रैफिक पर होगा डबल अटैक इंदौर के हर कॉलेज में बनेगी कमेटी

इंदौर शहर को ट्रैफिक और नशा से मुक्ति दिलाने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है. नशा मुक्ति के लिए इंदौर के हर कॉलेज में प्रशासन अब 'नशा मुक्ति समितियां' बनाएगा. इन कमेटियों में छात्र और शिक्षक दोनों ही शामिल होंगे. दूसरी तरफ जाम ना लगे।

इसके लिए प्रशासन अतिक्रमण हटाएगा. प्रशासन की तरफ से साफ संकेत है कि अब सुरक्षित सड़कें होंगी. इसके अलावा नशा मुक्त युवा होंगे इंदौर की गिनती देश के स्वच्छ शहरों में होती है. लेकिन यहां पर ट्रैफिक जाम की स्थिति से शहरवासी परेशान रहते हैं. अब इंदौर में प्रशासन दो बड़े मोर्चों पर काम करने के लिए तैयार नजर आ रहा है. सड़क सुरक्षा और नशा मुक्ति. कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठकों में ऐसे फैसले लिए गए हैं।

जिनका असर सीधे शहर की व्यवस्था और युवाओं के भविष्य पर पड़ेगा. ये पहल के प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिले दिशा निर्देशों के बाद और तेज हुई है, जिनमें सड़क सुरक्षा और नशा मुक्त समाज को प्राथमिकता दी गई है.द अतिक्रमण हटाने को लेकर चल रहा अभियानसड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने साफ कर दिया है कि अब ट्रैफिक सुधार सिर्फ कागजों तक सीमित नहीं रहेगा. शहर के प्रमुख चौराहों पर लेफ्ट टर्न फ्री किए जा रहे हैं. ब्लैक स्पॉट्स को तेजी से सुधारा जा रहा है और अवैध पार्किंग पर लगातार कार्रवाई जारी है. जिन आठ प्रमुख मार्गों पर रोजाना जाम की स्थिति बनती थी. वहां अतिक्रमण हटाने और ट्रैफिक फ्लो सुधारने का अभियान चल रहा है. राजवाड़ा क्षेत्र में सिटी बसों की एंट्री पर रोक के बाद ट्रैफिक में राहत मिली है. वहीं यात्रियों की सुविधा के लिए नई व्यवस्था पर भी काम जारी है. इसके अलावा बायपास और संवेदनशील इलाकों में स्थानीय लोगों को CPR ट्रेनिंग देने की पहल शुरू की जा रही है, ताकि हादसों में तुरंत मदद मिल सके. सभी कॉलेजों में बनाई जाएंगी ये कमेटीवहीं नशा मुक्ति को लेकर भी प्रशासन ने सख्त और व्यवस्थित रणनीति अपनाई है. अब जिले के सभी कॉलेजों में 'नशा मुक्ति समितियां' बनाई जाएंगी, जिनमें छात्र और शिक्षक दोनों शामिल होंगे. ये समितियां कैंपस में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगी. ड्रग नेटवर्क पर शिकंजा कसने के लिए रासायनिक कंपाउंड्स की निगरानी और कानूनी दायरे को भी मजबूत किया जा रहा है।

सांस्कृतिक रंग में रंगा 'प्रवेश उत्सव'

रोली-तिलक लगाकर हुआ नए छात्रों का अभिनंदन

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर । डीडी नगर मुरार स्थित सांदीपनि शासकीय मॉडल उच्च माध्यमिक विद्यालय में बुधवार 1 अप्रैल 2026 को नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 का अत्यंत उत्साहवर्धक माहौल में आगाज हुआ। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय परिवार ने नए छात्र-छात्राओं का भारतीय परंपरा के अनुसार स्वागत कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य रणजीत सिंह चौहान, उप-प्राचार्य अहिवरन सिंह कुशवाह एवं प्रधानाध्यापक देशराज सिंह ने विद्या की देवी मां सरस्वती के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण कर किया। विद्यालय की शिक्षिकाएं नीलम चौहान एवं ममता शर्मा द्वारा

सरस्वती वंदना की गई, विद्यालय के शिक्षकों ने नए बच्चों के माथे पर रोली का तिलक लगाकर और उन पर पुष्प वर्षा कर विद्यालय परिवार में स्वागत किया। इस अवसर पर प्राचार्य, उप-प्राचार्य और प्रधानाध्यापक ने अपने कर कमलों से छात्र-छात्राओं को नए सत्र की पाठ्य-पुस्तकें वितरित कीं। नई किताबें पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। संचालन करते हुए ओम प्रभाकर चौधरी ने जीवन में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और बच्चों को नए सत्र में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। राज्य शासन के आदेशानुसार राज्य स्तर के प्रवेश उत्सव का सीधा प्रसारण भी इस विधालय में किया गया राज्य स्तर का प्रवेश उत्सव कार्यक्रम भोपाल के माडल स्कूल में किया गया जिसमें राज्य के मुख्यमंत्री ने सहभागिता की, कार्यक्रम के अंत में संस्था के प्राचार्य रणजीत सिंह चौहान ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

नगरपालिका में मनोनीत पार्षदों को दिया गया कार्यभार, गरिमामय समारोह में हुआ उनका स्वागत

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल नगर पालिका परिषद शहडोल में मनोनीत (एल्डरमैन) पार्षदों ने विधिवत रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ कर दिया है। इस अवसर पर दिनांक 31 मार्च 2026 को नगर पालिका सभागार में समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नव नियुक्त पार्षदों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्री घनश्याम जायसवाल, उपाध्यक्ष श्री प्रवीण शर्मा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी की गरिमामयी उपस्थिति में सभी मनोनीत पार्षदों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया। नगर पालिका परिषद शहडोल में एल्डरमैन के रूप में नियुक्त पार्षदों में श्रीमती सावित्री सेन, श्री विनय केवट, श्री आशीष तिवारी, श्री स्वप्निल जायसवाल, श्री नागेंद्र गोले एवं श्री सचिन गुप्ता शामिल हैं।समारोह के दौरान नेता प्रतिपक्ष पार्षद श्री शक्ति लक्ष्यकार ने नगर में संचालित स्वच्छता व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नेतृत्व में किए जा रहे कार्य प्रभावी एवं अनुकरणीय हैं। इस अवसर पर पार्षद श्री राकेश सोनी, श्री अनमोल सोनी, श्री विकास तिवारी, श्री संतोष रावत, श्री संजीव प्रताप सिंह, श्री होलकर सिंह परस्ते, श्री प्रकाश नारायण शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पार्षदगण एवं नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नव मनोनीत पार्षदों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। साथ ही नगर के सर्वांगीण विकास, जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा नागरिक सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं सुचारु बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने पर बल दिया गया।

चंदन वंदन एवम हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

प्रदीप सिंह बघेल

जिला मुख्यालय शहडोल के शासकीय रघुराज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल में स्कूल चले हम अभियान के तहत कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, सदस्य योजना योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती फूलवती सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियो, अधिकारियो, अभिभावको एवं विद्यार्थियो की उपस्थिति में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास, उत्साह एवं उमंग के साथ प्रवेशोत्सव सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने प्रवेशोत्सव कार्यक्रम को सम्बोंधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी देश के भविष्य है इनके योगदान से ही हमारे समाज और देश का उत्थान संभव है। प्रत्येक बच्चे को शिक्षित करना शासन की मंशा है, यह तभी संभव होगा जब हम सब मिलकर बच्चे को शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगे, शिक्षा से अनुशासन, सोच और सकारात्मक दिशा में बढने की क्षमता बढती है। उन्होने कहा कि बच्चो के अभिभावक विद्यालय के शिक्षको से बड़ी उम्मीदे रखते है कि मेरे बच्चे पढ़कर लिखकर नाम रोशन करेंगे इन उम्मीदो को पूरा करना शिक्षको का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि शिक्षक पूरी ईमानदारी, लगन और समर्पण के साथ विद्यार्थियो को शिक्षा दें जिससे आगे चलकर वे देश और समाज के विकास और उन्नति में अपने योगदान दे सकें।

सदस्य, जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा ने प्रवेशोत्सव कार्यक्रम को सम्बोंधित करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार विद्यार्थियो को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देने के लिए कार्य कर रही है। बच्चो को शिक्षित करना हम सबका नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियो को निःशुल्क साइकिले, पाठ्य सामग्री, छात्रवृत्ति, गणवेश जैसी अन्य सुविधा निःशुल्क प्रदाय की जा रही है। विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को स्कूटी तथा 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओ का लाभ लेते हुए अभिभावक अपने बच्चो को नियमित रूप से विद्यालय भेजे तथा बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करें।

कार्यक्रम को जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती फूलवती सिंह, अध्यक्ष नगरपालिका श्री घनश्याम जायसवाल ने भी सम्बोंधित किया। कार्यक्रम में उपस्थिति जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियो ने नवप्रवेषित विद्यार्थियो को तिलक, पुष्पवर्षा एवं फूलमाला पहनाकर स्वागत, कक्षा 9वीं प्रवेषित बच्चियो को साइकिल वितरित, उच्चतम अंको से परीक्षा उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियो को प्रमाण पत्र भी वितरित किये गए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में भोपाल

में आयोजित राज्य स्तरीय प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरावती कोल, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण श्री उमेश कुमार धुर्वे, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री आनंद राय सिंहा, डीपीसी श्री अमरनाथ सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी श्री आर.के. मंगलानी, समाजसेवी श्री रवींद्र वर्मा, श्री प्रियम त्रिपाठी, ए.पी.सी. श्री अरविंद पाण्डेय सहित विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, अभिभावक, विद्यार्थियो सहित अन्य लोग उपस्थित रहें। कार्यक्रम को संचालन जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पाण्डेय ने किया।

रणजीत टाइम्स

धार जिले के सभी 13 विकासखण्ड 30 जून तक पेयजल अभावग्रस्त घोषित

अवैध जल दोहन एवं बोरवेल खनन पर प्रतिबंध, उल्लंघन पर सख्त दंड का प्रावधान

दिलीप पाटीदार

धार कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री प्रियंक मिश्रा द्वारा म.प्र. पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 तथा इसके संशोधन अधिनियम 2002 एवं 2023 की धारा-3 के अंतर्गत महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए धार जिले के सभी 13 विकासखण्डों को 30 जून 2026 अथवा पर्याप्त वर्षा होने तक पेयजल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है। जारी आदेश के अनुसार जिले के अतिदोहित विकासखण्डों में धार, नालछा, बदनावर, धरमपुरी एवं तिरला तथा अर्धदोहित विकासखण्ड में मनावर शामिल हैं। इन क्षेत्रों के साथ-साथ जिले के सभी 13 विकासखण्डों में अधिनियम के प्रावधान तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। आदेश में पेयजल संकट की स्थिति को ध्यान में रखते हुए जल स्त्रोतों के संरक्षण हेतु कड़े प्रतिबंध लागू किए गए हैं। इसके तहत नलकूप, नदी, बांध, नहर, जलधारा, झील, झरना, सोता (स्प्रिंग), जलाशय, एनीकट एवं कुओं जैसे सभी स्त्रोतों से सिंचाई, औद्योगिक उपयोग या अन्य गैर-घरेलू प्रयोजनों के लिए जल दोहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। केवल पेयजल एवं घरेलू उपयोग के लिए ही जल का उपयोग अनुमन्य होगा। संशोधित अधिनियम 2002 की धारा-4 (क) एवं (ख) के तहत यह प्रावधान भी किया गया है कि ऐसे जल स्त्रोत, जिनका अधिग्रहण पेयजल उपलब्धता बनाए रखने के लिए आवश्यक है, उन्हें अधिग्रहित किया जा सकेगा।

अधिनियम की धारा-6(1) के अंतर्गत जल अभावग्रस्त क्षेत्र में किसी भी प्रकार के नलकूप या बोरवेल का खनन प्राधिकृत अधिकारी की अनुमति के बिना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। वहीं धारा-6(3) के अनुसार पेयजल एवं घरेलू उपयोग के लिए नलकूप खनन की अनुमति संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं दण्डाधिकारी द्वारा प्रदान की जाएगी। अनुमति प्रदान करते समय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रिट पिटीशन (सिविल) क्रमांक 36/2009 में दिए गए निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में यह भी निर्देशित किया गया है कि जिले के सभी संबंधित अधिकारी उक्त अधिनियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें तथा जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता भी बढ़ाएं।

आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध म.प्र. पेयजल परिरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। अधिनियम की धारा-9 के अनुसार प्रथम अपराध के लिए 5 हजार रुपए तक का जुर्माना तथा पुनरावृत्ति की स्थिति में 10 हजार रुपए तक का जुर्माना या अधिकतम 2 वर्ष का कारावास अथवा दोनों से दंडित किया जा सकेगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जल का उपयोग केवल आवश्यक कार्यों के लिए करें तथा जल संरक्षण में सहयोग प्रदान करें, ताकि आने वाले समय में पेयजल संकट से बचा जा सके।

नवीन सत्र के शुभारंभ पर छात्राओं का स्वागत कर पाठ्य पुस्तकों व साइकिल का किया वितरण

दिलीप पाटीदार

धार स्कूल चले अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन एकीकृत शासकीय भोज कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, धार में उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक नीना विक्रम वर्मा द्वारा विद्यालय की घंटी बजाकर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक श्रीमती वर्मा ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही सशक्त समाज की नींव है। उन्होंने छात्राओं को आत्मविश्वास, मेहनत एवं लगन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी, जिससे वे अपने परिवार, समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिनका लाभ उठाकर बालिकाएं अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकती हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बालिकाओं की शिक्षा को प्राथमिकता दें और उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजें। कार्यक्रम में नवप्रवेशी छात्राओं का तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। साथ ही छात्राओं को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण एवं साइकिल वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर छात्राएं बहुत उत्साहित नजर आई। विद्यालय परिवार द्वारा सभी छात्राओं को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। स्वागत भाषण संस्था प्राचार्य श्री राजेंद्र पांडे द्वारा दिया गया। जिला परियोजना समन्वयक श्री प्रदीप खरे ने जिले की शैक्षणिक उपलब्धियों एवं नवीन शैक्षणिक सत्र के लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान विधायक द्वारा विद्यालय में चार नवीन शौचालय निर्माण की घोषणा भी की गई। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती आशा पटेल, सहायक आयुक्त श्री नरोत्तम बरकड़े, जिला शिक्षा अधिकारी श्री केशव वर्मा, डाइट प्राचार्य श्री मनोज शुक्ला, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक श्री भरतराज सिंह राठौर एवं श्री देवेंद्र दीक्षित सहित जिला शिक्षा केंद्र एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक परियोजना समन्वयक श्री प्रवीण शर्मा द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन जिला शिक्षा अधिकारी श्री केशव वर्मा ने किया।

अधिकारियों द्वारा घर घर जाकर HPV वैक्सीनेशन के प्रति किया जा रहा जागरूक

दिलीप पाटीदार

धार कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा द्वारा जिले में HPV वैक्सीनेशन अभियान को मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है। अभियान की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। कलेक्टर के निर्देशन में अधिकारी मैदानी स्तर पर घर-घर जाकर पालकों एवं बालिकाओं को टीकाकरण के महत्व के प्रति जागरूक कर रहे हैं। साथ ही निर्धारित तिथियों पर उन्हें वैक्सीनेशन केन्द्रों तक लाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है, ताकि लक्ष्य की शीघ्र पूर्ति सुनिश्चित हो सके।

जिले में 31 मार्च 2026 तक U-WIN पोर्टल आधारित HPV टीकाकरण की समीक्षा के अनुसार कुल 27,638 लक्षित हितग्राहियों में से 9,130 को वैक्सीन लगाई गई है, जिससे जिले की कुल उपलब्धि 33.03 प्रतिशत दर्ज की गई है। HPV वैक्सीनेशन में प्रदेश में जिले ने 22 वा स्थान प्राप्त किया है। लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रयास निरंतर जारी है। यह टीका किशोरियों को गंभीर एवं जानलेवा बीमारियों से सुरक्षित रखने में अत्यंत प्रभावी है। यह वैक्सीन सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क उपलब्ध है तथा वैज्ञानिक रूप से पूर्णतः सुरक्षित एवं प्रमाणित है। यह सिंगल डोज में प्रभावी सुरक्षा प्रदान करता है। 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए U-WIN पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है। अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपनी बेटियों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर निर्धारित समयानुसार वैक्सीनेशन अवश्य कराएं। जिला प्रशासन द्वारा सभी विकासखण्डों को अभियान में तेजी लाने, शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति हेतु व्यापक जनजागरूकता एवं फील्ड मॉनिटरिंग बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से कम प्रगति वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य अमले को अतिरिक्त प्रयास करने के लिए कहा गया है। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी बालिकाओं का HPV वैक्सीनेशन अवश्य करवाएं, जिससे गंभीर बीमारियों से प्रभावी बचाव सुनिश्चित किया जा सके।

एमपी गेहूं खरीदी संकट पर सियासत तेज: जीतू पटवारी का पीएम को पत्र, बारदाने की कमी पर उपवास की चेतावनी

भोपाल। मध्यप्रदेश में गेहूं खरीद को लेकर कांग्रेस लगातार सरकार पर अव्यवस्थाओं का आरोप लगा रही है। अब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर सवाल उठाए हैं। पत्र में उन्होंने कहा है कि यदि मंडियों में गेहूं भंडारण के लिए पर्याप्त बारदाना उपलब्ध नहीं कराया गया तो वे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के भोपाल स्थित निवास के सामने उपवास पर बैठ जाएंगे। उन्होंने लिखा है कि 'मैं यह पत्र मध्यप्रदेश के लाखों अन्नदाताओं की गहरी पीड़ा और आक्रोश को आप तक पहुँचाने के लिए लिख रहा हूँ, जो आपकी 'डबल इंजन' सरकार की आपसी खींचतान और कुप्रबंधन के कारण खून के आँसू रोने को मजबूर हैं।' इस तरह उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार पर एक साथ निशाना साधा है।

जीतू पटवारी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र- जीतू पटवारी ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर मध्यप्रदेश की मंडियों में बारदाने की कमी का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बड़े पैमाने पर गेहूं खरीदी के दावे कर रही है लेकिन जमीनी स्तर पर किसानों को अपनी उपज रखने के लिए बोरे तक उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। उनके मुताबिक, किसान मंडियों में खुले में इंतजार करने को मजबूर हैं और व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित नजर आ रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री को घेरते हुए उन्होंने कहा कि 'यह स्थिति तब है जब देश के वर्तमान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। यह कितनी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश के कृषि मंत्री के अपने ही गृह राज्य में किसान एक अदद बोरे के लिए तरस रहे हैं। संसद में जनसंपर्क अधिकारी की तरह केंद्र सरकार की झूठी प्रशंसा कर राष्ट्रीय आलोचना का केंद्र बने केंद्रीय कृषि मंत्री अपने मूल दायित्व को भूल चुके हैं।' उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भी समझ रही है कि वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री जी के बीच चल रही कथित राजनीतिक अदावत और वर्चस्व की लड़ाई की कीमत किसानों को चुकानी पड़ रही है।

शिवराज सिंह चौहान के घर के सामने उपवास पर बैठने की चेतावनी- कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने अपने पत्र में लिखा है कि प्रदेश में रबी विपणन वर्ष के तहत गेहूं खरीदी के बड़े-बड़े लक्ष्य तय किए गए हैं और सरकार इसकी तैयारियों के दावे कर रही है, लेकिन जमीनी स्थिति इसके विपरीत है। उन्होंने इसे मध्यप्रदेश के किसानों के साथ छलावा करार देते हुए कहा है कि बीजेपी लगातार अपने दावों और वादों से मुकर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान किसानों से जिस दर से गेहूं खरीदने का वादा किया, वो पूरा नहीं किया गया। किसानों को पहले समर्थन मूल्य के नाम पर ठगा गया और अब जो मूल्य तय है उस पर भी उपज खरीदने के लिए सरकार के पास बारदाने उपलब्ध नहीं हैं। जीतू पटवारी ने पीएम मोदी से मांग की है कि केंद्र और राज्य सरकार में समन्वय स्थापित कर मध्यप्रदेश की मंडियों में गेहूं के लिए बारदाने का पर्याप्त प्रबंध करवाएं। इसी के साथ उन्होंने चेतावनी दी है कि उनकी मांग न मानी जाने पर वे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के भोपाल स्थित निवास के सामने उपवास पर बैठेंगे।

देश दवाइयों की बढ़ती कीमतों पर सियासी घमासान: उमंग सिंघार ने केंद्र पर साधा निशाना, 'Make in India' पर उठाए सवाल

भोपाल। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि मध्यप्रदेश समेत पूरे देश में बीपी, शुगर और हृदय रोग की दवाइयों के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण कच्चे माल और एपीआई की सप्लाई अटकने से दवा निर्माण लागत में भारी वृद्धि हुई है और कई फैक्टरियां बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतिगत विफलता ने आज देश को उस स्थिति में ला खड़ा किया है, जहां जीवनरक्षक दवाइयां भी आम आदमी की पहुंच से बाहर होती जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सिर्फ आर्थिक कुप्रबंधन नहीं, बल्कि जनता के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है।

दवाओं की कीमतों में उछाल, उमंग सिंघार ने सरकार को घेरा- उमंग सिंघार ने कहा कि देश में दवाइयों की बढ़ती कीमतें 'Make in India' के दावों को पूरी तरह बेनकाब कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण कच्चे माल और एपीआई की सप्लाई अटकने से दवा निर्माण लागत में भारी वृद्धि हुई है और कई फैक्टरियां बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से उन्होंने कहा कि कच्चे माल को लेकर आयात पर निर्भरता के कारण बीपी, शुगर और हृदय रोग जैसी जीवनरक्षक दवाओं के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री जैसे उच्च पद पर बैठे व्यक्ति ने संसद में बड़ी आसानी से कह दिया कि 'देश की जनता इस संकट के लिए तैयार रहे'। उन्होंने कहा कि एक ही वैश्विक संकट में पूरी व्यवस्था बेनकाब हो गई और क्या आत्मनिर्भरता सिर्फ भाषणों तक सीमित थी?

दाम बढ़ने का असर सीधा मरीजों की जेब पर- नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग लागत में चालीस प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कच्चे माल, पैकेजिंग, पेट्रोलियम सॉल्वेंट और अन्य केमिकल्स की कीमतों में भारी उछाल आया है। एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट की कमी से कई कंपनियां प्रभावित हुई हैं और कुछ फैक्टरियां बंद भी हो गई हैं और इसका सीधा असर आम मरीजों की जेब पर पड़ रहा है। बता दें कि मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और युद्ध के कारण वैश्विक शिपिंग रूट्स प्रभावित हुए हैं जिससे कंटेनरों की कमी और फ्रेट लागत बढ़ गई है। भारत अपनी जरूरी दवाओं के कच्चे माल के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर है। जानकारी के अनुसार, इस संकट से कुछ कच्चे माल की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल से एलोपैथिक दवाओं के मूल्य में 0.65 प्रतिशत की बढ़ोतरी की अनुमति दे दी है। हालांकि, बाजार में कई दवाओं के दाम इससे कहीं अधिक बढ़ने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह संकट लंबा चला तो दवाओं की उपलब्धता और कीमतों पर और अधिक दबाव पड़ सकता है।

देवास में Blinkit डिलीवरी बॉयज़ का फूटा गुस्सा! मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे, शुरू की हड़ताल

देवास। इंदौर-भोपाल जैसे शहरों के बीच बसे देवास में बुधवार का दिन सामान्य नहीं रहा। सुबह से ही स्टेशन रोड पर हलचल बढ़ने लगी थी। लेकिन यह भीड़ किसी आयोजन की नहीं, बल्कि ब्लिंकिट के डिलीवरी पार्टनर्स की थी, जो अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतर आए थे। उनके चेहरों पर नाराजगी साफ दिखाई दे रही थी और आवाज में अपने हक की मांग थी। जैसे-जैसे ऑनलाइन डिलीवरी सेवाएं बढ़ रही हैं, वैसे-वैसे इनसे जुड़े कर्मचारियों की समस्याएं भी सामने आ रही हैं। देवास में ब्लिंकिट डिलीवरी पार्टनर्स की हड़ताल इसी बदलाव का एक बड़ा संकेत है। यह सिर्फ एक विरोध नहीं, बल्कि उस सिस्टम के खिलाफ आवाज है, जिसमें मेहनत ज्यादा और कमाई कम होती जा रही है।

ब्लिंकिट डिलीवरी पार्टनर्स की हड़ताल- देवास में ब्लिंकिट डिलीवरी पार्टनर्स की हड़ताल की सबसे बड़ी वजह कम भुगतान और असंतुलित कार्य व्यवस्था है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें हर ऑर्डर के हिसाब से बहुत कम पैसे मिलते हैं, जबकि उनके खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी तब होती है जब कोई ऑर्डर बीच में कैंसिल हो जाता है। ऐसे में डिलीवरी पार्टनर को न तो कोई पेमेंट मिलता है और न ही उनके पेट्रोल और समय का खर्च कवर होता है। इससे उनकी रोज की कमाई पर सीधा असर पड़ता है।

कैंसिल ऑर्डर बना सबसे बड़ा मुद्दा- ब्लिंकिट डिलीवरी पार्टनर्स की हड़ताल में कैंसिल ऑर्डर सबसे बड़ा मुद्दा बनकर सामने आया है। कर्मचारियों का कहना है कि जब वे ऑर्डर डिलीवर करने के लिए निकलते हैं, तब तक वे अपना समय और पेट्रोल खर्च कर चुके होते हैं। लेकिन अगर ग्राहक ऑर्डर कैंसिल कर देता है, तो कंपनी की तरफ से उन्हें कोई भुगतान नहीं दिया जाता। इसका मतलब यह हुआ कि उन्हें मुफ्त में काम करना पड़ता है। एक डिलीवरी पार्टनर के लिए यह स्थिति कितनी मुश्किल होती होगी। हर ऑर्डर उनके लिए कमाई का जरिया होता है, और ऐसे में बिना पेमेंट के काम करना उनके लिए बड़ा नुकसान है।

स्टेशन रोड पर प्रदर्शन, कर्मचारियों ने रखी मांगें- देवास के स्टेशन रोड स्थित ब्लिंकिट कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में डिलीवरी पार्टनर्स जमा हुए और उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने अपनी मांगों को स्पष्ट रूप से रखा। कर्मचारियों की मांग है कि कैंसिल ऑर्डर पर भी न्यूनतम भुगतान दिया जाए, ताकि उनके खर्च की भरपाई हो सके। इसके अलावा उन्होंने प्रति ऑर्डर मिलने वाले पैसे को बढ़ाने की भी मांग की है।

उमरिया हादसा: जवारा जुलूस में काली नृत्य के दौरान युवक की मौत, स्वास्थ्य सतर्कता पर जोर

उमरिया। जिले के नौरोजाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पठारी में जवारा विसर्जन के दौरान एक दर्दनाक घटना सामने आई, जिसने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया। धार्मिक आस्था और परंपरा से जुड़े इस आयोजन में उस समय अप्रत्याशित मोड़ आ गया, जब काली नृत्य कर रहे एक युवक की अचानक तबीयत बिगड़ गई और कुछ ही देर में उसकी मृत्यु हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गांव में परंपरागत तरीके से जवारा विसर्जन का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान एक युवक देवी भक्ति में लीन होकर काली स्वरूप में नृत्य कर रहा था। नृत्य के दौरान उसकी ऊर्जा और भावनात्मक जुड़ाव स्पष्ट दिखाई दे रहा था, लेकिन अचानक वह असंतुलित होकर गिर पड़ा। शुरुआत में लोगों ने इसे सामान्य थकान या भक्ति की अवस्था समझा, लेकिन जब उसकी हालत गंभीर होती गई, तो चिंता बढ़ने लगी।

परिजनों के अनुरोध पर पुलिस ने नहीं की तत्काल कार्रवाई- घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, हालांकि परिजनों और ग्रामीणों ने धार्मिक भावना और परंपरा का हवाला देते हुए पुलिस से तत्काल हस्तक्षेप न करने का अनुरोध किया। ग्रामीणों का मानना था कि युवक देवी आराधना में लीन था और घटना आस्था से जुड़ी हो सकती है। इस कारण कुछ समय तक माहौल भावनात्मक बना रहा।

आस्था के साथ स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता- जहां एक ओर कई लोगों ने इसे आस्था से जुड़ी घटना माना, वहीं कुछ लोगों ने स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से चिंता जताई। यह घटना दर्शाती है कि धार्मिक आयोजनों में भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखना भी आवश्यक है।

न्यू जर्सी, अमेरिका ने सहज योग को सम्मानित किया-अभिभूत हैं सहज योगी

सहज योग संस्थापिका और हमारी परम पावनी श्री माताजी श्री निर्मला देवी को तो किसी सम्मान की आवश्यकता नहीं है क्योंकि उनके जीवन का लक्ष्य तो अपने बच्चों को परम चैतन्य से अभिभूत कर उन्हें सम्मानित करना था। परंतु, सहज योग जिस प्रकार विकसित होकर विश्व को ईश्वरीय साम्राज्य में प्रवेश करवा रहा है, तब सहज योगी बच्चे अपनी माँ को सम्मानित किये बिना रह नहीं पाते हैं क्योंकि माँ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और स्वयं की आत्मशुद्धि के लिए उन्हें ऐसा करने की आवश्यकता महसूस होती है और ऐसा करते हुए वे स्वयं भी गौरवान्वित होते हैं।

न्यू जर्सी, अमेरिका में जब परमपूज्य श्री माताजी सम्मानित हुई हैं, तब सहज योग के रुप में भारतीय संस्कृति भी सम्मानित हुई और परम पावनी माँ के सभी बच्चे खुशी से झूम उठे। 21 मार्च सहज योग के लिए मात्र एक महत्वपूर्ण दिन नहीं बल्कि वरदान है क्योंकि इसी दिन परमपूज्य श्री माताजी ने धरती पर

अवतार लिया। छिंदवाड़ा की पुण्य भूमि पर परमपूज्य श्री माताजी 21 मार्च, 1923 को अवतरित हुई। तब कौन जानता था कि इस घोर कलियुग युग में अब सतयुग का आरंभ होने वाला है।

अमेरिका में लाखों सहज योगी हैं। इससे पहले भी कई बार अमेरिका के अलग अलग राज्यों ने श्री माताजी को व्यक्तिगत रुप से सम्मानित किया। लेकिन अमेरिका में राष्ट्रीय स्तर पर यह पहला सम्मान था। 9 मार्च, 2026 को अमेरिका के न्यू मीलफोर्ड, न्यू जर्सी नगर के महापौर माइकल पुटरिनो ने उद्घोषणा के साथ यह घोषणा पत्र जारी किया कि एतद् द्वारा 21 मार्च को 'श्री माताजी निर्मला देवी दिवस' के रुप में जाना जायेगा। इस घोषणा पत्र में परमपूज्य श्री माताजी के जन्म, महात्मा गाँधी के साथ स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान, विश्व शांति व मानव के उत्थान के लिए 'सहज योग' की स्थापना और सहज योग प्रचार प्रसार में उनके अथक प्रयास का जिक्र है।

दो बार श्री माताजी को नोबल पुरस्कार

युद्ध की आंच में फंसी एमपी की फार्मा इंडस्ट्री: 190 देशों को दवा सप्लाई रुकी, 100 कंपनियों का एक्सपोर्ट ठप

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते तनाव का सीधा असर अब मध्य प्रदेश की फार्मा इंडस्ट्री पर दिखाई देने लगा है। ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच चल रहे तनाव के चलते प्रदेश की करीब 100 दवा कंपनियों का निर्यात पूरी तरह ठप हो गया है, जिससे 190 देशों तक दवाओं की सप्लाई प्रभावित हुई है।

समुद्री मार्गों पर संकट बना मुख्य वजह- रेड सी और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर युद्ध का खतरा बढ़ने के कारण शिपिंग कंपनियों ने जहाजों की आवाजाही सीमित कर दी है। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट बुकिंग लगभग बंद हो चुकी है।

लॉजिस्टिक लागत में भारी उछाल- वर्तमान स्थिति में निर्यात लागत तेजी से बढ़ी है। 40 फीट कंटेनर का किराया 3.5 लाख रुपए से बढ़कर 4.5 लाख रुपए तक पहुंच गया है। बीमा प्रीमियम कई गुना महंगा हो गया है और कई स्थानों पर बीमा उपलब्ध कराना भी मुश्किल हो गया है। बढ़ती लॉजिस्टिक लागत अब उत्पादन लागत से अधिक हो चुकी है, जिससे कंपनियां निर्यात करने में असमर्थ हैं।

उद्योग पर गहराता संकट- इंडियन ड्रग्स मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अनुसार तैयार माल डिस्पैच नहीं हो पाने से कंपनियों पर भारी दबाव है। कई इकाइयों ने तीन

शिफ्ट से घटाकर एक शिफ्ट में उत्पादन शुरू कर दिया है, वहीं भविष्य में सप्ताह में केवल पांच दिन काम करने की स्थिति बन सकती है। कच्चे माल की कमी से उत्पादन और घटने की आशंका है।

कच्चे माल की सप्लाई प्रभावित- इंदौर के पीथमपुर, सांवेर रोड और पालदा क्षेत्र की उद्योग इकाइयां मिडिल ईस्ट पर लगभग 60 प्रतिशत निर्भर हैं। बहरीन, कतर और सऊदी अरब से कच्चे माल का आयात प्रभावित हुआ है, जबकि चीन से कंटेनर किराया दोगुना होकर 1.5 लाख से 3 लाख रुपए तक पहुंच गया है।

एक्सपोर्ट कमिटमेंट पर संकट- पीथमपुर औद्योगिक संगठन के अनुसार कंपनियों के पास ऑर्डर तो मौजूद हैं, लेकिन बढ़ी लागत के कारण पुराने रेट पर सप्लाई करना संभव नहीं हो पा रहा है। ट्रांसपोर्ट लागत 2 से 4 गुना तक बढ़ने से निर्यात में भारी नुकसान हो रहा है।

वैश्विक बाजार पर भी असर की आशंका- यूएई, सऊदी अरब और ओमान जैसे देश भारतीय दवाओं पर काफी हद तक निर्भर हैं। 'जस्ट-इन-टाइम' सप्लाई सिस्टम के चलते यदि यह संकट 10 से 15 दिन और जारी रहता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में आवश्यक दवाओं की कमी हो सकती है।

पोर्ट और लॉजिस्टिक्स सिस्टम प्रभावित- हर महीने मध्य प्रदेश से करीब 80 हजार कंटेनर कांडला पोर्ट और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट भेजे जाते थे, लेकिन वर्तमान हालात में यह व्यवस्था लगभग ठप हो गई है। हवाई कार्गो सीमित होने के कारण वह विकल्प भी प्रभावी नहीं साबित हो रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हालात जल्द सामान्य नहीं हुए, तो मध्य प्रदेश की फार्मा इंडस्ट्री को अस्थायी शटडाउन का सामना करना पड़ सकता है, जिसका असर न केवल राज्य और देश बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी पड़ेगा।

वीआईपी रजिस्ट्रियों का खेल? इंदौर के पंजीयन कार्यालयों में वकीलों ने देखी गड़बड़ी, रातभर चला हंगामा

इंदौर। वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन शहर के चारों पंजीयन (रजिस्ट्रार) कार्यालयों में भारी भीड़ और अव्यवस्था के बीच कथित गड़बड़ियों का मामला सामने आया है। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि वीआईपी के नाम पर नियमों की अनदेखी करते हुए टोकन व्यवस्था में हेरफेर कर प्राथमिकता से रजिस्ट्रियां की गईं। अधिवक्ता प्रमोद द्विवेदी ने बताया कि सुबह से ही रजिस्ट्री कराने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। गड़बड़ियों की आशंका को देखते हुए चारों उप पंजीयन कार्यालयों में दो-दो वकीलों की टीम तैनात रही, जिन्होंने पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी।

टोकन सिस्टम पर उठे सवाल

वकीलों के मुताबिक, टोकन व्यवस्था होने के बावजूद कई जगह क्रम तोड़ा गया।

उप पंजीयन कार्यालय क्रमांक 4 में 366 नंबर के बाद सीधे 489 और 490 नंबर के दस्तावेज ले लिए गए।

कार्यालय क्रमांक 3 में 303 के

बाद सीधे 461 नंबर बुलाया गया, जिस पर हंगामा हुआ।

इन घटनाओं के बाद शिकायत भोपाल तक पहुंचाई गई, लेकिन मौके पर मौजूद अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।

'वीआईपी' के नाम पर प्राथमिकता

मोती तबेला स्थित कार्यालय में एक कथित न्यायाधीश के नाम पर वीआईपी तरीके से नंबर जनरेट करने का आरोप भी लगाया गया। वकीलों का दावा है कि उनके मौजूद रहने तक यह प्रक्रिया नहीं हुई, लेकिन देर रात बाद इसे अंजाम दिया गया।

रात 12 बजे बाद भी जारी रहीं रजिस्ट्रियां

वकीलों ने बताया कि विभाग द्वारा रात 12 बजे के बाद स्क्रीन बंद कर दी गई और रजिस्ट्रियों का काम अंदर ही अंदर जारी रखा गया। कुछ जगहों पर रजिस्ट्रियां रात 2 बजे तक, तो कुछ कार्यालयों में सुबह 4 बजे तक चलीं। इससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि 12 बजे के बाद हुई रजिस्ट्रियां पुराने वित्तीय वर्ष में गिनी जाएंगी या नए में।

नियमों की अनदेखी का आरोप

अधिवक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि कैंसर पीड़ित, गर्भवती महिलाएं, दिव्यांग और बुजुर्गों को प्राथमिकता नहीं दी गई, जबकि वीआईपी के नाम पर नियमों को दरकिनार किया गया। विभाग 'सम्पदा सिस्टम में व्यवस्था नहीं है' कहकर आम लोगों को टालता रहा।

अब भोपाल में होगी शिकायत

अधिवक्ता संजय गंवते, प्रकाश वर्मा, सतीश शर्मा, सतनाम सिंह छाबड़ा और श्रीकृष्ण वर्मा सहित अन्य वकील रात 7 बजे से सुबह 4 बजे तक डटे रहे। उन्होंने पूरे घटनाक्रम के प्रमाण जुटाए हैं और अब इसकी औपचारिक शिकायत भोपाल में करने की तैयारी है।

बड़ा सवाल : वकीलों ने प्रशासन से पूछा है-

वीआईपी को प्राथमिकता किसके आदेश पर दी गई?

रात 12 बजे बाद की रजिस्ट्रियों का वैध आधार क्या है?

क्या इन्हें बैक डेट में दिखाया जाएगा?

फिलहाल, यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है और आने वाले दिनों में पंजीयन विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े हो सकते हैं।

इंदौर नगर निगम की रिकॉर्ड कमाई: 1079 करोड़ का राजस्व, संपत्ति कर बना सबसे बड़ा सहारा

इंदौर। वित्त वर्ष 2025-26 में इंदौर नगर निगम ने राजस्व संग्रह के मामले में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए कुल 1079 करोड़ रुपए की आय अर्जित की है। यह पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 147 करोड़ रुपए अधिक है, जिससे शहर के विकास कार्यों को और गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नगर निगम की राजस्व समिति के प्रभारी निरंजन सिंह चौहान (गुड्डू) के अनुसार, इस बार सबसे अधिक आय संपत्ति कर से हुई है। निगम ने संपत्ति कर से 612.84 करोड़ रुपए वसूले, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 490 करोड़ रुपए था। यानी इस मद में 122.84 करोड़ रुपए की उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई।

अन्य प्रमुख आय स्रोतों की बात करें तो— शिक्षा मद से इस वर्ष 42 करोड़ रुपए का राजस्व मिला, जो पिछले वर्ष के 125 करोड़ रुपए से काफी कम रहा।

जलकार्य विभाग से 14.34 करोड़ रुपए प्राप्त हुए, जबकि पिछले साल यह 22.8 करोड़ रुपए था।

कचरा शुल्क से निगम को 17.17 करोड़ रुपए की आय हुई।

वहीं, निगम को 29.43 करोड़ रुपए का लाभ भी प्राप्त हुआ।

इसके अलावा, अन्य मदों में भी आय में इजाफा हुआ है। संपत्ति विनिमय से 11.23 करोड़ रुपए, संपत्ति संबंधित अन्य मदों से 13 करोड़ रुपए, और विज्ञापन विभाग से 3.5 करोड़ रुपए की आय दर्ज की गई। चौहान ने बताया कि आगामी समय में राजस्व बढ़ने की और भी संभावनाएं हैं। निगम को कुछ शाखाओं से करीब 161 करोड़ रुपए की अतिरिक्त प्राप्ति की उम्मीद है। कुल मिलाकर आने वाले समय में निगम का राजस्व साढ़े तीन हजार करोड़ रुपए के पार जाने की संभावना जताई जा रही है। इंदौर नगर निगम की यह बढ़ती आय शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर, सफाई और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए मजबूत आधार साबित होगी। खासतौर पर संपत्ति कर में हुई बढ़ोतरी ने निगम की आर्थिक स्थिति को मजबूती दी है।

इंदौर में नए सत्र की शुरुआत

तिलक, फूलमालाओं और मिठाई के साथ बच्चों का स्वागत

इंदौर। भीषण गर्मी के बाद मिली एक माह की राहत के पश्चात शहर के स्कूलों में आज से शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत हो गई। लंबे अवकाश के बाद स्कूल पहुंचे बच्चों के चेहरों पर उत्साह और खुशी साफ झलक रही थी। पहले दिन विद्यार्थियों का पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर, फूलमालाएं पहनाकर और मुंह मीठा कराकर स्वागत किया गया। शहर के सरस्वती शिशु मंदिर, अहिल्या माता स्कूल और चोइथराम स्कूल सहित कई निजी व सरकारी स्कूलों में प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रबंधन समिति के सदस्यों, शिक्षकों और वरिष्ठ विद्यार्थियों ने नवप्रवेशी और पुराने छात्रों का गर्मजोशी से अभिनंदन किया। अहिल्या माता स्कूल की प्राचार्य ने बताया कि प्रवेशोत्सव के तहत

बच्चों पर पुष्प वर्षा की गई और उन्हें टॉफी-बिस्कुट वितरित किए गए। विद्यार्थियों ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वे स्कूल खुलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और दोस्तों व शिक्षकों से मिलकर बेहद प्रसन्न हैं। स्कूल परिसरों को रंग-बिरंगे गुब्बारों और स्वागत बैनरों से सजाया गया था, जिससे माहौल उत्सव जैसा नजर आया। पहले दिन से ही कक्षाएं भी शुरू हो गईं और बच्चों को नए सिलेबस व कक्षाओं की जानकारी दी गई। कुछ स्कूलों में बच्चों के लिए मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। अधिकांश स्कूलों में पहले दिन उपस्थिति सामान्य रही, जबकि प्रबंधन का मानना है कि आने वाले दिनों में इसमें और वृद्धि होगी। गर्मी को ध्यान में रखते हुए स्कूलों का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक रखा गया है, वहीं कुछ संस्थानों ने अपने स्तर पर समय में आंशिक बदलाव भी किया है।

राजा रघुवंशी के घर लौटी खुशियां: भाई सचिन के घर बेटे का जन्म, परिवार ने माना 'राजा'

- कामाख्या मंदिर की भविष्यवाणी से जुड़ी आस्था, कर्ज फिल्म की कहानी जिसमें पुनर्जन्म का कॉन्सेप्ट दिखाया गया था

इंदौर। शहर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के बाद गम में डूबे परिवार में अब खुशियों ने दस्तक दी है। राजा के बड़े भाई सचिन रघुवंशी के घर बेटे का जन्म हुआ है, जिसके बाद पूरे परिवार में उत्सव का माहौल बन गया है। परिजन नवजात को 'राजा' कहकर पुकार रहे हैं और इसे नई शुरुआत के रूप में देख रहे हैं। राजा रघुवंशी की हत्या के बाद परिवार लंबे समय से शोक में था, लेकिन इस नवजात के आगमन ने परिवार को नई उम्मीद दी है। परिवार के सदस्य विपिन रघुवंशी ने बताया कि कुछ समय पहले कामाख्या देवी मंदिर के पुजारी ने भविष्यवाणी की थी कि उनके घर 'राजा' आएगा। बेटे के जन्म के बाद परिवार इस भविष्यवाणी को आस्था के रूप में देख रहा है। रविवार रात को परिवार ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया, जिसमें आसपास के लोग भी शामिल हुए। पूरे घर में खुशी का माहौल देखने को मिला। परिवार का कहना है कि यह बच्चा उनके जीवन में नई रोशनी लेकर आया है और पुराने दुखों को कम करने का काम कर रहा है। पुनर्जन्म की भावना को लेकर लोग इसे फिल्मी कहानियों से भी जोड़कर देख रहे हैं, जहां इस तरह की अवधारणाएं दिखाई गई हैं। हालांकि परिवार इसे अपनी आस्था और भावनाओं से जोड़कर देख रहा है।

अलीजा सरकार की प्रभातफेरी में उमड़ा जनसैलाब, भक्ति में डूबा पश्चिमी क्षेत्र

इंदौर। हनुमान जन्मोत्सव के एक दिन पूर्व रविवार को शहर का पश्चिमी क्षेत्र भक्ति और आस्था से सराबोर नजर आया। चतुर्भुज हनुमान मंदिर से सुबह 6:30 बजे अलीजा सरकार की भव्य प्रभातफेरी निकाली गई, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। एक हाथ में गदा और दूसरे हाथ में संजीवनी पर्वत लिए भगवान की आकर्षक प्रतिमा श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बनी रही। प्रभातफेरी की शुरुआत पं. महामंडलेश्वर पवनदास महाराज द्वारा आरती के साथ हुई। केसरिया ध्वज थामे भक्त 'जय श्रीराम' और 'हनुमान जी की जय' के जयघोष के साथ पूरे मार्ग में उत्साहपूर्वक चलते रहे। फूलों से सजे रथ और भक्ति गीतों की धुन ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। करीब 3.45 किलोमीटर लंबे मार्ग पर हजारों श्रद्धालु कतारबद्ध खड़े नजर आए। जगह-जगह बनाए गए 200 से अधिक मंचों से प्रभातफेरी का स्वागत किया गया और पुष्प वर्षा कर भगवान का पूजन किया गया। कई स्थानों पर भजन-कीर्तन के साथ श्रद्धालु झूमते और नृत्य करते दिखाई दिए। प्रभातफेरी में शामिल झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इनमें राम दरबार, लक्ष्मण द्वारा संजीवनी पर्वत लाने जैसे प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया, जिन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। अखाड़ों के पहलवानों ने लाठी, तलवार और अन्य शस्त्रों के साथ अपने हैरतअंगेज करतब दिखाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। वहीं, मार्ग में जगह-जगह फलाहारी प्रसादी, छाछ और शरबत का वितरण भी किया गया, जिससे श्रद्धालुओं को राहत मिली। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ ड्रोन कैमरों से पूरे आयोजन पर नजर रखी गई, जिससे प्रभातफेरी शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

इंदौर ट्रैफिक सुधार पर सख्ती: कलेक्टर शिवम वर्मा ने की समीक्षा, ब्लैक स्पॉट और पार्किंग पर दिए सख्त निर्देश

इंदौर। शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें यातायात विभाग के एसपी, डीआईजी, नगर निगम आयुक्त और आईडीए के सीईओ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इंदौर में यातायात सुधार के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं तत्काल प्रभाव से लागू की जाएं। विशेष रूप से शहर में बढ़ती पार्किंग समस्या को लेकर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए, ताकि मुख्य मार्गों पर यातायात बाधित न हो। कलेक्टर शिवम वर्मा ने शहर के विभिन्न ब्लैक स्पॉट को लेकर चिंता जताते हुए उन्हें चिन्हित कर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के आदेश दिए। साथ ही प्रमुख चौराहों पर लेफ्ट टर्न को व्यवस्थित करने और यातायात सुगमता बढ़ाने के लिए आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश भी दिए। बैठक में इंदौर जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की यातायात व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सुगम यातायात के साथ-साथ सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। प्रशासन को उम्मीद है कि इन प्रयासों के बाद शहर की यातायात व्यवस्था में जल्द ही सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा।

अन्नदाताओं के साथ भेदभाव कर रही है सरकार - किसान संघ

इंदौर। सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की तारीख बार-बार बढ़ाई जा रही है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। गेहूं की नरवाई जलाने पर किसानों पर एफआईआर की जा रही है। हाल ही में देवास जिले में 10 किसानों पर नरवाई जलाने को लेकर कार्रवाई की गई है। सहकारी बैंकों द्वारा शून्य ब्याज पर ऋण जमा करने की सेवा सहकारी संस्था की अंतिम तारीख 28 मार्च के बाद नहीं बढ़ाई गई जिसके कारण किसानों को एक वर्ष का 7 से लेकर 14 प्रतिशत दंड लगने से आर्थिक बोझ पड़ रहा है। जिससे 60 फीसदी किसान डिफाल्टर घोषित हो जाएंगे। ग्रीष्मकालीन मूंग खरीदी का रजिस्ट्रेशन तुरंत शुरू की जाए साथ ही गेहूं की खरीदी प्रति बीघा 11 क्विंटल करने की मांग की। सरकार ने हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो किसान संघ के कार्यकर्ता जेलभरो आंदोलन करेंगे। यह बात आज इंदौर प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण पटेल एवं प्रचार प्रमुख

गोवर्धन पाटीदार ने पत्रकारों से कही। किसान संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि सरकार किसानों की आय दो गुना से आठ गुना तक बढ़ाने की बात कर रही है और कृषि वर्ष मना रही है। सरकार ने गेहूं खरीदी की तारीख 10 अप्रैल कर दी और सोसायटी के पैसे जमा करने की तिथि 28 मार्च ही रखी गई है। तारीख नहीं बढ़ाने के कारण किसानों पर 7 प्रतिशत ब्याज एवं 14 प्रतिशत दंड लग गया है। ऐसे में किसान पैसे कहां से जमा करेंगे, जिसके कारण करीब 60 प्रतिशत किसान डिफॉल्टर हो जाएंगे। पिछले वर्ष के डिफाल्टर किसानों को सरकार द्वारा ब्याज की राशि वापिस करने का वादा किया गया था, जो आज तक पूरा नहीं हुआ है। नरवाई जलाने को लेकर किसानों पर एफआईआर कर अन्नदाता को जेल भेजना एवं अर्थदंड लगाना कहां तक उचित है। उनके साथ देशद्रोही जैसा व्यहवार किया जा रहा है। इस मामले को लेकर सरकार उन्होंने कहा कि सरकार जब तक नरवाई के निष्पादन के लिए कोई स्थाई हल नहीं निकालती है, तब तक किसानों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसानों को जेल भेजा गया तो सबसे पहले किसान संघ के कार्यकर्ता जेल भरो आन्दोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत एवं सरकार के द्वारा उपलब्ध संसाधन से मध्यप्रदेश में गेहूं का बंपर उत्पादन हुआ है। सरकार बारदान की कमी बता कर खरीदी प्रति बिगा कम करने का षडयंत्र कर रही है। यह करना सरकार की किसान विरोधी मानसिकता को दिखाता है। हमारी सरकार से मांग है कि प्रति बीघा 11 क्विंटल के हिसाब से समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी की जाए। इसके साथ ही ग्रीष्म कालीन मूंग खरीदी का पंजीयन भी शीघ्रातिशीघ्र शुरू किया जाए।

लसूड़िया आगजनी कांड का खुलासा: पुरानी रंजिश में घर और कार को लगाई आग, तीन आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र में सिल्वर पार्क कॉलोनी में हुई आगजनी की सनसनीखेज घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने पुरानी रंजिश के चलते घर और कार में आग लगाई थी। पुलिस के अनुसार, 27 मार्च की देर रात फरियादी सौरभ पाटोदिया ने शिकायत दर्ज कराई थी कि रात करीब 1 बजे उनके घर के बाहर खड़ी कार में अचानक आग लग गई, जो फैलकर घर की दीवार तक पहुंच गई। घटना के दौरान फरियादी ने तीन संदिग्धों को लाल रंग की कार में मौके से फरार होते हुए देखा था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और वाहन की पहचान कर आरोपियों तक पहुंच बनाई। कार नंबर के आधार पर पुलिस ने हर्षल गौड़ को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अपने साथियों कृष्ण दामके और रोहित तंवर के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना कबूल किया।

● बोस्निया से हारकर इटली फीफा विश्व कप 2026 से बाहर

लगातार तीसरी बार चूकी मौका

बर्लिन, एजेंसी। चार बार की चैंपियन इटली फीफा विश्व कप 2026 से बाहर हो गई है। पेनल्टी से तय हुए एक रोमांचक प्लेऑफ में बोस्निया और हर्जेगोविना से हारने के बाद इटली को लगातार तीसरी बार बार फीफा विश्व कप से बाहर होना पड़ा। जेनिका में हुआ यह मैच अतिरिक्त समय के बाद 1-1 से बराबर रहा, जिसके बाद बोस्निया ने शूटआउट में 4-1 से जीत हासिल की। इस जीत के साथ बोस्निया ने 2014 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाई। इटली के डिफेंडर लियोनार्डो स्पिनाजोला ने कहा, 'हमें अभी भी यकीन नहीं हो रहा है। यह सभी के लिए दुखद है। '

हेड कोच जेननारो गुट्टूसो ने मैच के बाद माफी मांगते हुए कहा कि टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। रिपोर्ट के मुताबिक, जेनिका में इटली शुरुआत में ही सही रास्ते पर लग रहा था जब मोइज कीन ने बोस्निया के गोलकीपर निकोला वासिलज की

एक बड़ी गलती का फायदा उठाकर मेहमान टीम को 15वें मिनट में बढ़त दिला दी। हाफटाइम से पहले मैच का रुख तब बदल गया जब इटली के सेंटर-बैक एलेसेंड्रो बास्टोनी को लास्ट-मैन फाउल के लिए बाहर भेज दिया गया, जिससे मेहमान टीम को लंबे समय तक डिफेंसिव लड़ाई लड़नी पड़ी। 10 खिलाड़ियों तक सिमटने के बाद, इटली ने पीछे हटकर बढ़त बचाने की कोशिश की, लेकिन बोस्निया ने दबाव बनाया, और आखिरकार 79वें मिनट में हारिस तबाकोविक ने स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। अतिरिक्त समय में कोई भी टीम जीत नहीं पाई, जिससे मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला गया जिसमें इटली को हार का सामना करना पड़ा। सैंड्रो टोनाली स्पॉट से गोल करने वाले अकेले इतालवी खिलाड़ी थे। पियो एस्पोसिटो ने ऊपर से शॉट मारा, जबकि ब्रायन क्रिस्टांटे ने बार के नीचे से शॉट मारा और उनका शॉट बाहर चला गया। बोस्निया ने चारों पेनल्टी को गोल में बदला, जिसमें एस्मिर बजरकतारेविक ने निर्णायक किक लगाई। मंगलवार को दूसरी जगह, चेक रिपब्लिक भी अतिरिक्त समय के बाद डेनमार्क के साथ 2-2 से ड्रॉ के बाद पेनल्टी शूटआउट से आगे बढ़ा।

एक ही ओवर में 11 बॉल फेंक गए अर्शदीप, 5 अन्य गेंदबाज भी कर चुके ऐसा

न्यू चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का नाम अनचाही फेहरिस्त में जुड़ गया है। बाएं हाथ के 27 वर्षीय गेंदबाज ने मंगलवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के चौथे मुकाबले में एक ही ओवर के दौरान 11 गेंदें फेंकीं। यह आईपीएल इतिहास में गेंदों के हिसाब से संयुक्त रूप से सबसे

लंबा ओवर है। अर्शदीप से पहले 5 अन्य गेंदबाज ऐसा कर चुके थे। मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने गुजरात टाइटंस की पारी के 20वें ओवर में कुल 11 बॉल फेंकी। टाइटंस 19 ओवरों के खेल तक 6 विकेट खोकर 150 रन बना चुकी थी। इसके बाद गेंद अर्शदीप को सौंपी गई, जिन्होंने नए ओवर की पहली ही गेंद वाइड फेंकी। अगली दो लीगल डिलीवरी पर राहुल तेवतिया कोई रन नहीं बना सके। ओवर की तीसरी गेंद पर तेवतिया ने चौका लगाया। अर्शदीप ने इसके बाद एक नो-बॉल और दो वाइड फेंकी। ओवर की चौथी लीगल डिलीवरी डॉट रही। पांचवीं गेंद पर तेवतिया ने सिंगल चुराया, लेकिन अगली ही गेंद अर्शदीप ने वाइड फेंक दी। आखिरकार, 134.1 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से राशिद खान को फेंकी गेंद इस ओवर की अंतिम डिलीवरी साबित हुई। अर्शदीप से पहले मोहम्मद सिराज (साल 2023), तुषार देशपांडे (साल 2023), शार्दुल ठाकुर (साल 2025), संदीप शर्मा (साल 2025) और हार्दिक पंड्या (साल 2025) एक ही ओवर में 11 गेंदें फेंक चुके थे। न्यू चंडीगढ़ में खेले जा रहे इस मुकाबले की बात करें, तो टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी गुजरात टाइटंस ने 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल ने सर्वाधिक 39 रन टीम के खाते में जोड़े। जोस बटलर ने 38 रन का योगदान दिया। इनके अलावा, ग्लेन फिलिप्स ने 25 रन टीम के खाते में जुटाए।

एशियन बॉक्सिंग : एशियाई चैंपियनशिप

प्रिया की शानदार जीत

जादुमणि ने शीर्ष वरीय यामागुची को कड़ी टक्कर दी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की प्रिया ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन मंगलवार को 5-0 से जीत दर्ज की, जबकि जादूमणि सिंह जुझारू प्रदर्शन करने के बावजूद हार गए।

एशियन मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन भारत की प्रिया ने 5-0 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि जादुमणि सिंह ने जापान के शीर्ष वरीय मुक्केबाज को मुकाबले के आखिर तक कड़ी टक्कर दी। महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कजाखस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। पूरे मुकाबले के दौरान उन्होंने गजब का नियंत्रण और संयम दिखाया जिसके दम पर वह अगले दौर में पहुंच गईं। अगले मुकाबले में उनका सामना चीन की चेंग्यू यांग से होगा, जो इस वर्ग की दूसरी वरीयता प्राप्त मुक्केबाज हैं। पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग में जादुमणि ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला लड़ा, लेकिन आखिर

में उन्हें 2-3 के खंडित फैसले से हार का सामना करना पड़ा। यामागुची इस वर्ग के शीर्ष वरीयता प्राप्त मुक्केबाज हैं और वह इस टूर्नामेंट में मजबूत दावेदार के तौर पर उतरे हैं। उनके नाम अस्ताना इवेंट में रजत पदक और मुक्केबाजी विश्व कप फाइनल में कांस्य पदक जैसी बड़ी उपलब्धियां दर्ज हैं। इतने अनुभवी और सफल प्रतिद्वंद्वी का सामना करने के बावजूद जादुमणि ने उन्हें हर पंच का करारा जवाब दिया। उन्होंने मुकाबले को आखिरी पल तक रोमांचक बनाए रखा और यह दिन के सबसे करीबी मुकाबलों में से एक साबित हुआ।

प्रज्ञानन्दा को हराकर सिंदारोव नें करूआना के साथ बनाई सयुंक्त बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी। फ़ीडे कैंडिडेट शतरंज में भारत के आर प्रज्ञानन्दा के अभियान को तीसरे राउंड में जोरदार झटका लगा है जब उज़्बेकिस्तान के विश्व कप विजेता जावोखीर सिंदारोव नें उन्हें एक बेहद कड़े मुक़ाबले में एक मोहरा क़ुर्बान करते हुए समय के दबाव में डालकर 40 चालों में पराजित कर दिया वहीं यूएसए के फैबियानो करूआना नें कैंडिडेट के इतिहास के सबसे कम चालों में से एक जीत दर्ज की उन्होंने मात्र 19 चालों में चीन के वे यी को पराजित कर दिया और अब सिंदारोव और कारुआना तीन राउंड के बाद दो जीत और एक ड्रा के साथ 2.5 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर आ गए है । अन्य बाज़ियों में यूएसए के हिकारू नकामुरा नें नीदरलैंड के अनीश गिरी से और रूस के आंद्रे एसिपेंको नें जर्मनी के मैथियास ब्लूबम से ड्रा खेला । भारत के प्रज्ञानन्दा आज की हार के बाद 1.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर सरक गए है । महिला वर्ग में भी समाचार लिखे जाने तक विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख रूस की गोर्याचकिना से हार की कगार पर चल रही है जबकि वैशाली नें यूक्रेन की अन्ना मुज़्यचुक से ड्रा खेला वहीं कज़ाक्सितान की बिबीसारा आसुबयेवा नें चीन की जू जीनर को पराजित करते हुए रूस की लग्नों कैटरिना के साथ सयुंक्त बढ़त बना ली है ।

'स्कूल चलें हम' मुख्यमंत्री ने राज्यस्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-2026 का किया शुभारंभ

शासकीय स्कूलों के प्रति अभिभावकों और बच्चों का बढ़ा आकर्षण: सीएम डॉ. यादव

● शासकीय विद्यालयों के नामांकन में 32.4 प्रतिशत की वृद्धि, सशक्त हो रहे भरोसे का परिचायक ● विकासखंड स्तर पर लगेंगे बुक फेयर, निजी स्कूलों के बच्चों को भी मिलेंगी सस्ती पुस्तकें ● राज्य सरकार विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए संकल्पित ● मुख्यमंत्री ने बच्चों को निःशुल्क साइकिल और पुस्तकें की वितरित

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश के विकास के लिए राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में कदम से कदम मिलाकर चल रही है। प्रदेश में 1 से 4 अप्रैल तक 'स्कूल चले हम' अभियान चलेगा और बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासकीय स्कूलों में ड्रॉप आउट की संख्या शून्य करने पर स्कूल शिक्षा विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शासकीय स्कूलों में कक्षा 1, 6 और 9 में प्रवेश प्रक्रिया को

सरल बनाया गया है, जिससे वर्ष 2025-26 में कुल नामांकन में 19.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में भी 32.4 प्रतिशत की प्रगति दर्ज की गई है। यह शासकीय स्कूलों पर बढ़ते विश्वास का परिचायक है। राज्य सरकार ने मौजूदा सत्र में स्कूलों में 1 करोड़ 45 लाख नामांकन करने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 369 भव्य सांदीपनि विद्यालयों की शुरुआत की गई है, जो देश में सबसे अच्छे स्कूल हैं।

मुख्यमंत्री का विद्यार्थियों ने साईकिलों की घंटियां बजाकर किया अभिवादन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आगमन पर विद्यार्थियों ने साइकिल की घंटियां बजाकर और स्काउट गाइड दल ने वाद्य यंत्रों पर सुमधुर धुनों के साथ उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में शामिल विद्यार्थियों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अटल टिंकलिंग लैब, रोबोटिक लैब, व्यावसायिक शिक्षा और आईसीटी लैब के स्टॉल का अवलोकन किया। इस अवसर पर 'स्कूल चले हम' अभियान पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ निःशुल्क साइकिल प्राप्त करने वाले स्कूली बच्चों का ग्रुप फोटो भी लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन किया।

बच्चे पढ़-लिखकर बनें डॉक्टर, इंजीनियर और उद्यमी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'स्कूल चले हम' अभियान बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है। प्रदेश के सभी 55 जिलों के प्रत्येक गांव का एक-एक बच्चा स्कूल में प्रवेश ले रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। प्रदेश में बड़े पैमाने पर शासकीय स्कूलों के प्रति अभिभावकों और बच्चों का आकर्षण बढ़ा है। इनमें ड्रॉप आउट खत्म करने के लिए शिक्षकों के साथ समाज के हर वर्ग ने संकल्प के साथ मेहनत की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बच्चों को स्कूल आने-जाने के लिए निःशुल्क साइकिलें वितरित की गई हैं।

● असम में पीएम मोदी ने किया चुनाव प्रचार

राज्य की पहचान चाय और चिप से होगी

कांग्रेस के सो कॉल्ड राजकुमार की पराजय की सेंचुरी आने वाली है, भाजपा जीत की हैट्रिक लगाएगी

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/ कोलकाता/ चेन्नई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि इस बार असम में बीजेपी-एनडीए की हैट्रिक लगनी तय है। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कांग्रेस के सो कॉल्ड राजकुमार की पराजय की सेंचुरी आने वाली है।

वे धेमाजी के गोगामुख में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। पीएम ने कहा कि एक समय था जब दुनिया में असम की चर्चा चाय के लिए होती थी। अब दुनिया असम को चाय के साथ-साथ चिप से पहचानेगी। टीवी, फ्रिज, गाड़ियां, मोबाइल असम की चिप से चलेंगे। दुनिया में असम की पहचान चाय और और चिप से होगी। इससे पहले उन्होंने डिब्रूगढ़ में चाय बागान का दौरा किया। वहां काम करने वाली महिलाओं से बातचीत की और सेल्फी ली। पीएम ने यहां चाय की पत्ती भी तोड़ी।

भाजपा के लोग हमारा पैसा लूट रहे हैं: ममता

सीएम ममता बनर्जी ने कहा, जब बंगाल आजादी की लड़ाई में हिस्सा ले रहा था, तब भाजपा का जन्म भी नहीं हुआ था। वे हमारा पैसा लूट रहे हैं और झूठ बोल रहे हैं। वे राम नवमी पर बंदूकें लेकर निकलते हैं। पश्चिम बंगाल के बीरभूम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2026 विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी पर तीखा हमला बोला। जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कहा, बीजेपी को ऐसा हराओ कि वह फिर कभी खड़ी न हो सके। उन्होंने अपने चर्चित नारे को दोहराते हुए कहा- इस बार बड़ा खेला होगा।

● असम में मंगल करने वाला संकल्प पत्र आया है

मोदी ने कहा- असम बीजेपी के सभी नेताओं को बहुत बधाई देता हूं असम बीजेपी की टीम के बधाई देता हूं। असम बीजेपी ने बीते 10 साल में बहुत आयाम दिए हैं। कल शाम संकल्प पत्र जारी किया है। मंगलवार को जारी हुआ पत्र असम में और मंगल लाने वाला है। यानी मंगलवार को आया है मंगल पत्र। ये मंगल करने वाला संकल्प पत्र है, इसमें युवाओं के लिए सरकारी नौकरी, स्वरोजगार के लाखों अवसर का रोड मैप है। 5 लाख करोड़ इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च करने का संकल्प है। हर सेक्टर में रोजगार के अनेक अवसर बनेंगे।

● प्रियंका गांधी बोलीं- असम में धमकी वाली सरकार है

कांग्रेस के प्रचार के लिए असम के शिवसागर पहुंची कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- यह एक

भ्रष्ट सरकार है। लोग देख सकते हैं कि कैसे सब कुछ धमकियों के जरिए किया जा रहा है। यहां माफिया राज है, सिंडिकेट राज है। मुझे लगता है कि लोग थक चुके हैं। वे चाहते हैं कि वही असम फिर से उभरे जो कभी हुआ करता था। वे एक ऐसी नई सरकार चाहते हैं जो सिर्फ लोगों की सेवा के लिए काम करे।

कंबाइन हार्वेस्टरों को मिलेगी टोल से छूट : सीएम

● इंदौर-उज्जैन तथा उज्जैन-जावरा ग्रीन फील्ड मार्ग निर्माण को मिला अनुमोदन ● पश्चिम भोपाल बायपास का परिवर्तित एलाइनमेंट अनुमोदित

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। किसान कल्याण वर्ष 2026 में 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' के विचार को सार्थक करते हुए किसान हित में अनेक निर्णय लिए जा रहे हैं। अब कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग किये जाने वाले कंबाइन हार्वेस्टरों को मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के टोल प्लाजा पर शुल्क संग्रहण से छूट रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फसल कटाई में प्रयुक्त होने वाला कंबाइन हार्वेस्टर आवश्यक कृषि उपकरण है। टोल मार्गों पर टोल छूट दिए जाने से हार्वेस्टर की परिवहन लागत में कमी आएगी। जिसका सकारात्मक प्रभाव कृषि उपज के मूल्य पर होगा, यह निर्णय कृषकों के लिए हितकर सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के संचालक मंडल की बैठक में दिए।